सुख रा महल सोवनी साजा बारी भरमदेलीरा राजा

सुख रा महल सोवनी साजा,

दोहा – समय समय की बात है,
और समय समय में ठीक,
समय बनावे बादशाह,
भई समय मंगावे भीख।

सुख रा महल सोवनी साजा,
ए सूख रा महल सोवनी साजा,
बारी भरमदेलीरा राजा,
बारी भरमदेलीरा राजा ओ,
ज्यारी अविगत से गत होई रे,
ज्यारी अविगत से गत होई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
ए ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे ओ जी।bd।

ए पाच चोर चुगती से पकडो,
ए पाच चोर चुगती से पकडो,
ए तीन गुणो ने ऐसे घेरो,
अरे तीन गुणो ने ऐसे घेरो,
ओ ज्यारी वेगम से गम होई रे,
ज्यारी वेगम से गम होई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
ए ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे ओ जी।bd।

ए तालो लागो तलवाने बोरे,
ए तालो लागो तलवाने बोरे,
अरे सतगुरु बिना कैसे खोले,
अरे सतगुरु बिना कैसे खोले,
ओ खुशी जगत कर जोई रे,
अरे खुशी जगत कर जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
ए ज्याने ओम सोम मे जोई रे

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के अपने मोबाईल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे ओ जी।bd।

ए शीतलनाथ संतो की स्वामी,
शीतलनाथ संतो की स्वामी,
अंतरदास वो घननामी,
अंतरदास वो घननामी,
ओ ज्याने दास कबीरसा जोई रे,
ज्याने दास कबीर सा जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
ए ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे ओ जी।bd।

सुख रा महल सोवनी साजा,
ए सूख रा महल सोवनी साजा,
बारी भरमदेलीरा राजा,
बारी भरमदेलीरा राजा ओ,
ज्यारी अविगत से गत होई रे,
ज्यारी अविगत से गत होई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
ए ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे ओ जी।bd।

गायक – संत कन्हैयालाल जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com